Answer. No-8

फुल वेव पावर कन्वर्टर ⇒:

हमे ज्ञात है कि एक SCR के उपयोग से एक कलीय अर्द्ध-तरंग दिष्टकारी प्राप्त होता है। मध्य बिन्दु निर्गत युक्त परिमाणित का उपयोग करके दो SCRs का उपयोग करते है। ऐसा शक्ति प्रवर्तक प्राप्त किया जाता है। जिसमे पूर्ण तरंग दिष्टकारी प्राप्त हो सकता है। जैसाकि प्रतिरोधी कार्यभार (R_1) के लिए तथा प्रेरणिक कार्यभार (R_L) के लिए दर्शाया गया है। यहा भी SCRs को पूर्ववत प्रयाय वोल्टता से तुल्यीकृत गेट ट्रिगरिंग स्पन्दों द्वारा स्वीच-आन किया जाता है। तथा इनमें स्वीच-आफ लाइन कम्युटेशन द्वारा होता है। भार के स्वभाव के अनुसार ही यह भी R_L भार पर शक्ति प्रवर्तक का प्रचालन R-L भार पर प्रचालन से पूर्ववत भिन्न होता है।

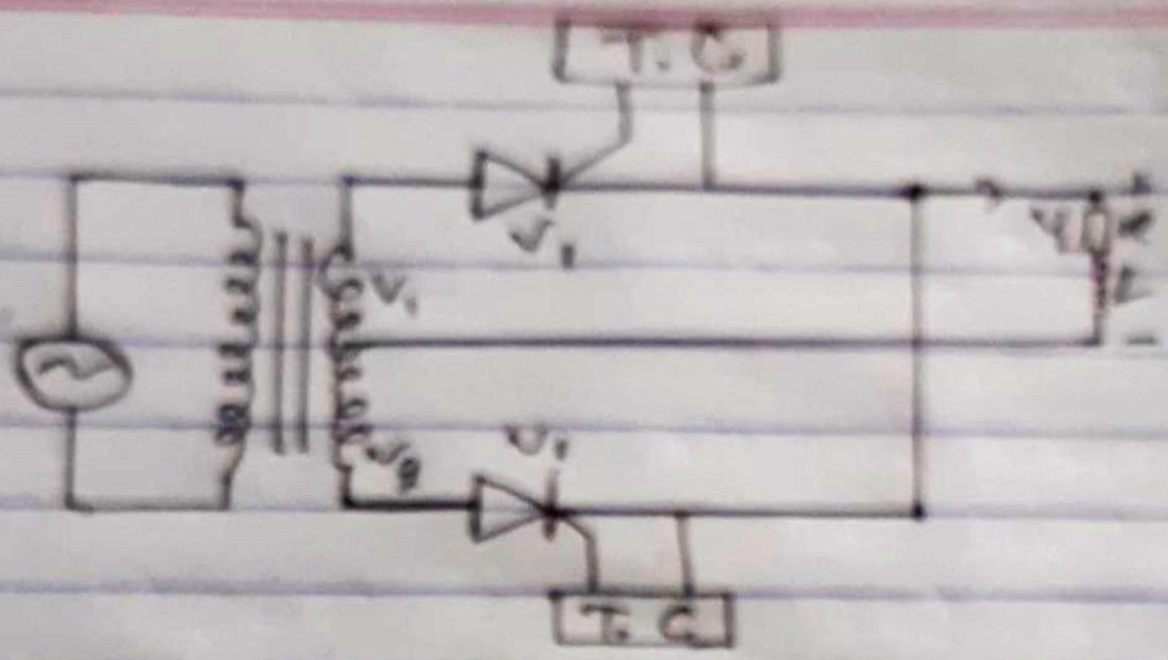
T. C
T. C

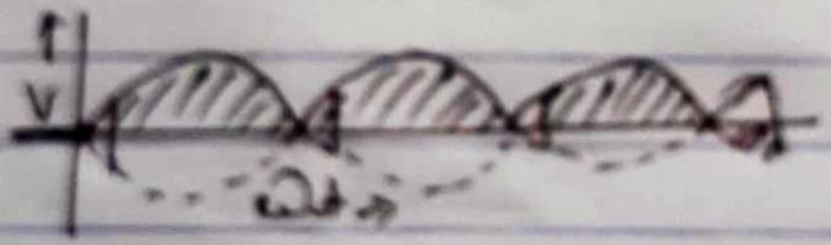
V
ωt

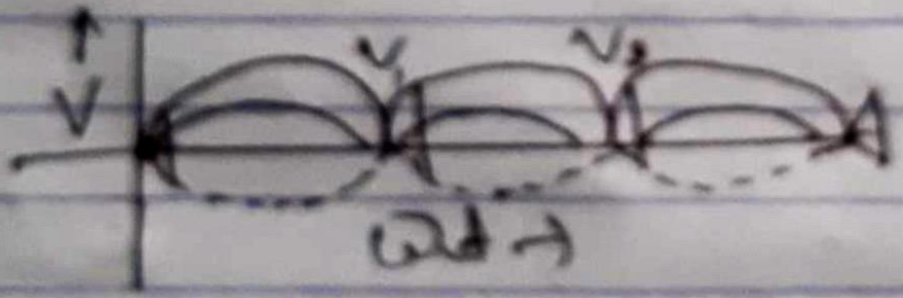
V
ωt